बाबा खाटू आने को मेरो मन ललचावे रे भजन लिरिक्स

बाबा खाटू आने को,
मेरो मन ललचावे रे,
हर ग्यारस तेरे दर्शन हो,
वो दिन फिर आवे रे,
बाबा खाटु आने को।bd।

तर्ज – आदमी मुसाफिर है।

ग्यारस पे खाटू कैसे मैं आऊं,
तू ही बता कैसे दर्शन मैं पाऊं,
देखे बिना तुझे रह ना पाऊं,
बाबा खाटु आने को।bd।

हर प्रेमी बाबा अर्ज़ी लगाए,
खाटू तू बाबा जल्दी बुलाए,
ग़म का अँधेरा म्हारा श्याम मिटाये,
बाबा खाटु आने को।bd।

घर घर से हर प्रेमी तुझको पुकारे,
भजनो से अपने बाबा तुझको रिझाये,
साहनी भी दास तेरे अर्ज़ी ये गायें,
बाबा खाटु आने को।bd।

बाबा खाटू आने को,
मेरो मन ललचावे रे,
हर ग्यारस तेरे दर्शन हो,
वो दिन फिर आवे रे,
बाबा खाटु आने को।bd।

Singer – Sandeep Sahni

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com